नाम हटाओ, सत्ता बचाओ: वोट चोरी का सबसे बड़ा खेल

वोटर अधिकार यात्रा

चुनाव आयोग - जिसे लोकतंत्र की रक्षा करनी थी, अब **सत्ता कब्ज़ा करने का हथियार बन चुका है।**

- **जनता का भरोसा हार चुकी भाजपा अब वोट चोरी के भरोसे ।**
- पहले **मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और हरियाणा** में फर्जी वोटों का खेल हुआ।
- जब **राहुल गांधी ने सवाल पूछे**, तो आयोग ने सच छुपाने के लिए सी.सी.टी.वी. मिटा दिए।
- **हमारी जांच में खुलासा** हुआ कि बेंगलुरु की एक लोक सभा सीट पर इतने फर्जी वोट जोड़े गए की भाजपा जीत गई ।

अब बारी बिहार की भाजपा के निशाने पर कौन है?

- चुनाव से पहले लाखों **दलित, बहुजन, महिला, अल्पसंख्यक, दिहाड़ी मजदूरों, प्रवासी मजदूर** के नाम हटाए जा रहे हैं।
- दस्तावेज के नाम पर, मृत, प्रवासी, दोहरे वोटर घोषित करके - 65 लाख नाम हटाए गए।

सिर्फ नाम नहीं, पहचान खतरे में -

- आयोग आधार, वोटर ID, राशन कार्ड नहीं मान रही है। सोचिए - सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद सब के पास होनेवाले दस्तावेज़ क्यों मान्य नहीं ?
- यह आपकी राजनीतिक पहचान छीनने की चाल है, जिससे आप अपने ही देश में अनदेखा हो जाएँगे। आपका हक, आपकी आवाज़, आपका भविष्य, आपके मुद्दे - सब दांव पर है।

"सोचिए, आप वोट देने जाएं... और पता चले कि आपका नाम ही नहीं है!"

वक़्त है पहचान बचाने का। वक़्त है लोकतंत्र बचाने का।

एक मिस्ड कॉल वोट चोरी के खिलाफ़

965 0003 420

वोटर अधिकार यात्रा

जन जन अधिकार, घर घर अधिकार

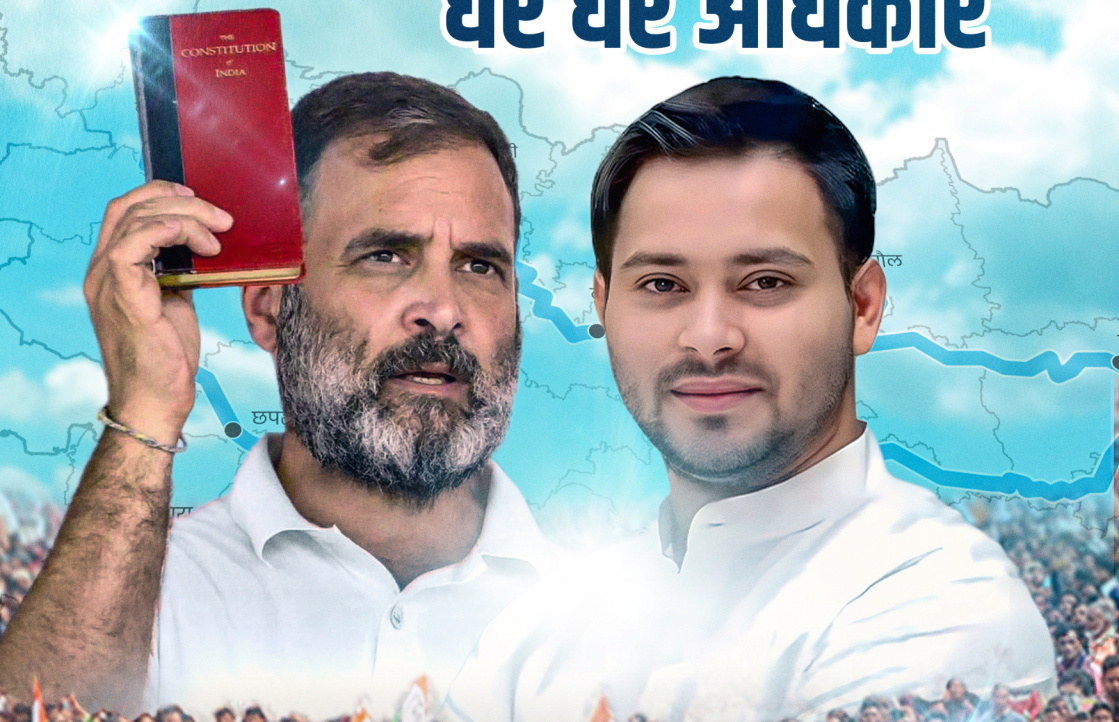

आओ, मिल कर रोकें S.I.R

+91 96500 03420
पर मिस्ड कॉल दें

ये लड़ाई लोकतंत्र की रक्षा की है